वंदेभारत चली, ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की भी शुरुआत

मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये दिखाई झंडी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवापुरी स्थित जनसभा स्थल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बनारस-नई दिल्ली रूट पर दूसरी वंदे भारत और ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पीडीडीयूनगर-न्यू भाऊपुर 402 किमी लंबी लाइन का शुभारंभ किया। इस दौरान दोहरीघाट-मऊ, गोरखपुर के बड़हलगंज, गोला और गगहा के बीच नई डीएमयू ट्रेन सेवा और कैंट स्टेशन स्थित रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल सेंटर का भी शुभारंभ किया। दूसरी नई वंदे भारत के संचालन से बनारस-नई दिल्ली रूट पर यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। प्रयागराज, कानपुर के यात्रियों को भी इस वंदे भारत से सुविधा मिलेगी।

प्रदेश के पांचवें न्यायाधिकरण की पीठ का गठन : वाराणसी और आसपास जिले के रेल हादसों के पीड़ितों को मुआवजे के लिए गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ तक की दौड़ नहीं लगानी होगी। कैंट स्टेशन स्थित पुराने आरक्षण केंद्र में रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल सेंटर का शुभारंभ हो गया। ब्यरो

वंदे भारत ट्रेन को देखते लोग। अमर उजाला

मोदी ने चंदा से पूछा, चुनाव लड़ोगी

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान पीएम को दो योजनाओं के लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी सुनाई। पीएम ने छन्नूलाल से पूछा कि आयुष्मान कार्ड का लाभ मिला या नहीं, कहीं यह कह के तो नहीं भगा दिया कि ये मोदी का आदमी है.? छन्नूलाल ने हंसकर जवाब दिया। कहा कि नहीं सहेब, लाभ मिला। निजी अस्पताल में कूल्हे की हड्डी का ऑपरेशन निशुल्क कराया है। पीएम ने लखपति दीदी योजना की लाभार्थी चंदा देवी से पूछा कि इतना अच्छा बोलती हो राजनीति से तो नहीं जुड़ी हो.? चंदा के नहीं कहने पर पूछा चुनाव लड़ोगी.? चंदा बोली नहीं।

स्वर्वेद मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने परिसर में व्यवस्थाओं को देखा। अमर उजाला

सरकार, समाज व संत मिलकर करा रहे काशी का कायाकल्प

पीएम ने स्वर्वेद महामंदिर का उद्घाटन करने के बाद संबोधन में कहा, संतों के सान्निध्य में काशी के लोगों ने मिलकर विकास व नवनिर्माण के नए कीर्तिमान गढ़े हैं। सरकार, समाज व संतगण मिलकर काशी के कायाकल्प के लिए कार्य कर रहे हैं। आज मंदिर बनकर तैयार होना इसी ईश्वरीय प्रेरणा का उदाहरण है। यह महामंदिर महर्षि सदाफल देव जी की शिक्षाओं, उपदेशों का प्रतीक है। मंदिर की दिव्यता जितनी आकर्षित करती है, भव्यता उतनी ही अचंभित भी करती है। गुलाबी पत्थरों से साकार स्वर्वेद महामंदिर श्रद्धालुओं को सतयुग से कलयुग तक की यात्रा कराएगा। चरक संहिता के सूत्रों के साथ, पाणिनी का अष्टाध्यायी, रामायण, गीता और महाभारत को भी उकेरा गया है। दो साल बाद बीस हजार लोग एक साथ योग कर सकेंगे।

पीएम ने लोगों को नौ संकल्प भी दिलाए

पहला : पानी की बूंद-बूंद बचाइए, जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करें।

दूसरा : गांव-गांव जाकर लोगों को डिजिटल के प्रति जागरूक करिए।

तीसरा : गांव, मोहल्ले, शहर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए काम करिए।

चौथा : जितना हो सके लोकल को स्थानीय प्रोडक्ट को इस्तेमाल करिए, मेड इन इंडिया प्रोडक्ट का इस्तेमाल करिए।

पांचवां : जितना हो सके देश को देखिए, घूमिए, विदेश घूमना हो तो जब तक पूरा देश नहीं देख लेते विदेश जाने का मन नहीं करना चाहिए। मैं तो आजकल बड़े धन्ना सेठों को कहता रहता हूं कि विदेशों में शादी क्यों कर रहे हो?

छठवां : प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों का जागरूक करते रहिए।

सातवां : मिलेट्स को, श्री अन्न को अपने रोजमर्रा के खाने में इस्तेमाल करिए। इसका प्रचार प्रसार करिए।

आठवां : फिटनेस, योग, स्पोर्ट्स को जीवन का हिस्सा बनाइए।

नौंवा - कम से कम एक गरीब परिवार का संबल बनिए, उसकी मदद करिए। इससे देश में गरीबी दूर करने में भी मदद मिलेगी।